Tel. No. 2625630
SHREE PUSHTIKAR SHREE PUROHIT SURAJRAJ ROOPADEVI SMRITI
MAHILA MAHAVIDYALAYA
(Affiliated to Jai Narain Vyas University, Jodhpur)
Siwanchi Gate, Jodhpur
Mail ID: spspsrsmmv@gmail.com

संपादक महोदयः–

"समाजिक संचार माध्यम समाज के लिए अभिशाप है या वरदान।" विषय पर श्रीमति रूपादेवी स्मृति अर्न्तमहाविद्यालय हिन्दी वाद–विवाद प्रतियागिता–

श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरजराज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में " सामाजिक संचार माध्यम समाज के लिए अभिशाप है, या वरदान। " विषय पर श्रीमती रूपादेवी स्मृति अर्न्तमहाविद्यालय हिन्दी वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन आज दिनॉक 23/09/2017 को आयोजित हुई। इस अवसर पर ख्यात्नाम साहित्यज्ञ प्रो. नन्दलाल कल्ला (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर) ने अध्यक्षता की । निर्णायक की भूमिका प्रो. हेमन्त शर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर) तथा डॉ सूनीता बोहरा (व्याख्याता, समाज शास्त्र विभाग , महिला पी.जी. माहवद्यिालय, जोधपुर) ने निभाई। आगन्तुक मेहमानों का स्वागत श्री महेश बोड़ा (अध्यक्ष, श्री पुष्टिकर एज्यूकेशन ट्रस्ट एसोसिएशन) , श्री ओ.पी.लोहरा (संस्थान सचिव) , श्रीमान् रमेशजी पुरोहित(सह–सचिव) ने माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह द्वारा किया। स्वागत भाषण के तहत श्री ओ.पी.लोहरा ने सामाजिक संचार माध्यम के वर्तमान परिपेक्ष में लाभ व अभिशाप पर विचार रखते हुए कहा कि जहॉ संचार माध्यम का मुख्य कार्य सूचना संग्रह एवं प्रचार, सूचना विश्लेषण, सामाजिक मूल्य एवं ज्ञान का सम्प्रेषण तथा लोगो का मनोरंजन है। वही संचार माध्यम से बालक युवा को मानसिक व शारिरीक विकास की गति अवरूद्ध हुई है।

उक्त प्रतियोगिता में कमला नेहरू महाविद्यालय, राजकीय माहविद्यालय, नाकोड़ा महाविद्यालय, महिला पी.जी. महाविद्यालय, लाचू मेमोरियल कॉलेज, श्री पुष्टिकर श्री पुरोहित सूरज राज रूपादेवी स्मृति महिला महाविद्यालय से 24 छात्र–छात्राओं ने अपने विचार पक्ष विपक्ष में रखें। प्रतियोगिता में प्रथम सुश्री नीयती दाधिच(श्री पुष्टिकर महिला महाविद्यालय), द्वितीय सुश्री प्रियंका रावत (श्री पुष्टिकर महिला महाविद्यालय), तृतीय सुश्री महिरूख आरजु(के.एन. कॉजेल)व सात्वना पुरस्कार सुश्री पूजा वर्मा(श्री पुष्टिकर महिला महाविद्यालय) रहें।

अध्यक्ष उद्बोधन में प्रो. नन्दलाल कल्ला ने कहा कि संचार माध्यम सामाजिक सम्बन्धों को परिलक्षित करने का केन्द्र है, अर्थात् कम्प्युटर इन्टरनेट ,ई–मेल, फेस–बुक, ट्विटर का प्रयोग विश्व स्तर पर व्यापक रूप से हो रहा है। साथ ही साथ प्रिन्ट मिड़िया का भी सामाजिक विकास मे योगदान है सामाजिक बुराईयों को उजागर करने का माध्यम होने के साथ – साथ जहॉ यह व्यवस्था उत्कृष्ठ कसौटी है वही यह वर्तमान समय के युवावर्ग के मानसिक रूगणता का आधार साबित हो रही है।

प्रो. हेमन्त शर्मा ने उक्त प्रतियोगिता को सामाजिक जागृति का आधार माना। डॉ. सूनीता बोहरा ने कहा कि संचार माध्यम से समाज विकास की ओर उतरोतर प्रगतिशील हो रहा है।

प्राचार्य प्रो. के.के.व्यास ने प्रतिभागीयों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि , वर्तमान परिपेक्ष मे समाज मे जहां संचार माध्यम जीवन की अनिवार्यता है, वही अभिशाप भी साबित हो रही है। क्योंकि समाज का प्रत्येक वर्ग मोबाईल,इन्टरनेट का दास बनकर मानसिकता के साथ शारिरीक दुर्बलता को हासिल कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ललिता कल्ला व डॉ राजेश बोहरा ने किया।

डॉ. तेजेन्द्र वल्लभ व्यास
(मिड़िया प्रभारी)

प्रो. के.के व्यास
(प्राचार्य)